

थहर > अपडेट

पहली फसल

ईश्वर को किया

रांची: हाली दिनीती चर्च कड़वे में रविवार को कर्तव्यों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विश्वासियों ने पहली फसल को ईश्वर को समर्पित किया। धन, मूर्ग, मुर्गियों औंडा तथा संवालों को ईश्वर को अर्पित किया गया। बाद में इन वस्तुओं की नीलामी की गयी। छह मूर्ग मुर्गियों को 3000 रुपए से 3500 रुपए की दर से नीलाम किया गया। बतख के 9 औंडे 900 रुपए पीस की दर से बिके। इससे पूर्व आराधना में रेढ़ सामुएल नाम ने उपदेश दिया। उन्होंने विशेष रुप से कटानी पर्व के महत्व को दर्शाए हुए जैसा बीज बोअंगे वैसा फसल काटाए। मिट्टी के विषय में उन्होंने कहा कि भित्रता पर जोर देते हुए कहा कि जब हम भित्र बनाते हैं तो उस संबंध के बीज अच्छे होने होने चाहिए।

राहत ➤ किसानों को ब्याज रहित कर्ज दे रही सरकार

झारखण्ड में कम हो रही है रबी फसल की खेती, सचिव ने बताया करने होंगे ये उपाय

राष्ट्रीय खबर

रांची: कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बकर सिंहोंकीने कहा कि झारखण्ड राज्य रबी फसल की खेती में काफी पिछड़ा हुआ है। हालांकि खरीदी फसलोंके मामले में राज्य का प्रदर्शन अच्छा है। कॉर्प इंडेस्ट्रियल के क्षेत्र में झारखण्ड का योगदान लगभग 120 पीसदी ही है। सचिव ने कहा कि झारखण्ड में 38 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से 28 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीफ फसल होती है। 11 लाख हेक्टेयर जमीन पर रबी फसल की पैदावार होती है। अच्छी खेती के लिए मिट्टी के स्वास्थ्य में जान देगा कृषि सचिव कहा कि सभी के रक्षा करना बहुत जरूरी है। उन्होंने रबी की खेती



की बाटर बॉडी का सर्वे कराएं। कहा कि सबसे पहले किसानों की तकनीक में कैसे बदलाव हो, ये देखना होता है। फोटो ऑफिसर्स को फील्ड में जाना होगा कृषि सचिव को रखा करना बहुत अच्छा है। इसमें से 28 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीफ फसल होती है। 11 लाख हेक्टेयर जमीन पर रबी फसल की पैदावार होती है। 38 लाख हेक्टेयर कृषि सचिव कहा कि जब हम मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए खेती के रक्षा करना बहुत जरूरी है। उन्होंने रबी की खेती

पर भी एसएलबीसी के माध्यम से बैंकों पर किसानों के लिए लोन देने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। रही है या नहीं। साथ ही किसान ने भूमि की समझाएं कि सरकार उन्हें खेती के लिए व्याज मुक्त त्रैण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध करा रही है।

पर जोर दिया। कहा कि बैंकों पर किसानों को गढ़ने की जरूरत है। महाविद्यालय के लीगल लिटरेसी वेल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार कुमार सिंहा ने कहा कि यह कायांशला एक अधिकारी का आगाज है। आगे औं? भी उन्हें भाग लिया एवं अपने बहुमूल्य विचारों के साथ साझा किए। कायांशला में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) से पैनल लॉयर एवं पैरा लीगल गवर्नर उपस्थित थे। निदेशिका डॉ रशिम ने कहा कि कृषिशिक्षक संस्थाओं के उन्नयन में विद्वान जौन के मार्गदर्शन व सुचारा की विशेष भूमिका होती है। भौंके पर सभी व्याख्याता गण एवं प्रशिक्षण शिक्षक उपस्थित थे।

न्यूज़ फटाफट

राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार ने

महाविद्यालय का किया अवलोकन

रांची: राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार प्रोफेर सर इबालगुरु स्वामी ने सोलो बैंकोंज औं टीवीसी ट्रेनिंग एंड एजुकेशन का अवलोकन किया। भौंके पर डॉ अंजीत कुमार सिंहा (कूलपति, रांची विश्वविद्यालय) व डॉ एंस ईं को साह (जात्री कल्याण सकायाध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय) उपस्थित थे। प्रोफेर सर इबालगुरु स्वामी ने स्थान द्वारा जनतायी क्षेत्र में गुणात्मक शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने में शिक्षक की भूमिका अहम है। शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं जिजोना की प्रवृत्ति विकसित की जाए चाहिए। चरित्र एवं नैतिकता की बात करने की तलान में इसके विकास की परिस्थितियों को गढ़ने की जरूरत है। महाविद्यालय के लीगल लिटरेसी वेल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सुयुक्त तत्वाधान में मानवधारक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला एवं विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कायांशला में भी उन्होंने भाग लिया एवं अपने बहुमूल्य विचारों के साथ साझा किए। कायांशला में भी उन्होंने भाग लिया एवं पैरा लीगल गवर्नर उपस्थित थे। निदेशिका डॉ रशिम ने कहा कि कृषिशिक्षक संस्थाओं के उन्नयन में विद्वान जौन के मार्गदर्शन व सुचारा की विशेष भूमिका होती है। भौंके पर सभी व्याख्याता गण एवं प्रशिक्षण शिक्षक उपस्थित थे।

पांचवीं बार शिक्षकों की सरप्लस सूची जारी

हुई, फिर भी कई कई खामिया

रांची: प्राथमिक व मध्य विद्यालय में शिक्षकों की जारी सरप्लस सूची में भी खामियाएं हैं। इसे लेकर शिक्षकों ने न्यायालय का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है। चार से पांच बार सूची जारी की गई। प्रारंभिक सूची में अलग-अलग शिक्षकों के नाम थे। उत्तर बातें अखिल झारखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ के पदवारियों ने कही। संघ के प्रदेश के मुख्य प्रकल्प नसीम अहमद ने कहा कि सरप्लस की गणना जिला पौटीआर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों के साथ साझा किया जाता है। आरटीई के अनुसार प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 1 से 5 में कम से कम 2 शिक्षक होना चाहिए।

मध्य विद्यालयों में कम से 3 शिक्षक को रखा जाना है। इसमें विज्ञान एक, सामाजिक विज्ञान एक और भाषा में एक शिक्षक होना चाहिए। ऐसा नहीं करने हुए कई मध्य विद्यालय में एकल क्लास का शिक्षक कर दिया गया है। साथांक अध्यापक (पारा शिक्षकों) की सख्ती की गणना की गई है। हालांकि सरप्लस शिक्षकों में उनका नाम नहीं जोड़ा जा रहा है। झारखण्ड सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावाली-2021 के अनुसार इनका अध्यापक व प्रारंभिक तरत तक किया जाना है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन कर दिया गया है। साथांक अध्यापक (पारा शिक्षकों) की सख्ती की गणना की गई है। हालांकि सरप्लस शिक्षकों में उनका नाम नहीं जोड़ा जा रहा है। झारखण्ड सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावाली-2021 के अनुसार इनका अध्यापक व प्रारंभिक तरत तक किया जाना है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन होते हैं।

सरना प्रार्थना सभा से आदिवासी समाज

एकजूट होता है

रांची: कांके रोड मिसिर गोदा के मुख्य सरना पूजा स्थल में सरना प्रार्थना सभा सह वर्षगांठ का आयोजन किया गया। मौजा के मुख्य प्राप्ति आर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है।

सामायोजन प्रारंभिक विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ साझा किया जाता है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी जारी की गई है। साथांक अध्यापक एवं विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन होते हैं।

रांची: कांके रोड मिसिर गोदा के मुख्य सरना पूजा स्थल में सरना प्रार्थना सभा सह वर्षगांठ का आयोजन किया गया। मौजा के मुख्य प्राप्ति आर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है।

सामायोजन प्रारंभिक विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ साझा किया जाता है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी जारी की गई है। साथांक अध्यापक एवं विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन होते हैं।

रांची: कांके रोड मिसिर गोदा के मुख्य सरना पूजा स्थल में सरना प्रार्थना सभा सह वर्षगांठ का आयोजन किया गया। मौजा के मुख्य प्राप्ति आर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है।

सामायोजन प्रारंभिक विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ साझा किया जाता है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी जारी की गई है। साथांक अध्यापक एवं विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन होते हैं।

रांची: कांके रोड मिसिर गोदा के मुख्य सरना पूजा स्थल में सरना प्रार्थना सभा सह वर्षगांठ का आयोजन किया गया। मौजा के मुख्य प्राप्ति आर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है।

सामायोजन प्रारंभिक विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ साझा किया जाता है। इस कारण कई प्रारंभिक एवं मध्य विद्यार्थी जारी की गई है। साथांक अध्यापक एवं विद्यार्थी सकारात्मक विविहीन होते हैं।

रांची: कांके रोड मिसिर गोदा के मुख्य सरना पूजा स्थल में सरना प्रार्थना सभा सह वर्षगांठ का आयोजन किया गया। मौजा के मुख्य प्राप्ति आर द्वारा की गई है। जबकि इसे विद्यार्थियों का दरवाजा भी खामियाएं हैं। यह कार्य एक वर्ष से अधिक से चूल्हा चल रहा है।

